1. **देशांतर रेखाएँ किस दिशा में होती हैं?**
   A. पूर्व से पश्चिम
   B. उत्तर से दक्षिण
   C. तिरछी दिशा में
   D. केवल उत्तरी गोलार्द्ध में (B)

व्याख्या : देशांतर रेखाएँ उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक खींची जाती हैं और ये अर्धवृत्त होती हैं।

2. **देशांतर को किस इकाई में मापा जाता है?**
   A. किलोमीटर
   B. मीटर
   C. डिग्री
   D. मिनट (C)

व्याख्या : देशांतर को डिग्री में मापा जाता है, जैसे 0°, 77° पू°, 74° प° आदि।

3. **प्रमुख याम्योत्तर (Prime Meridian) का मान कितना है?**
   A. 90°
   B. 180°
   C. 45°
   D. 0° (D)

व्याख्या : प्रमुख याम्योत्तर को 0° देशांतर माना जाता है।

4. **180° पू0 और 180° प0 के बारे में सही कथन कौन-सा है?**
   A. दोनों अलग रेखाएँ हैं
   B. यह भूमध्य रेखा है
   C. दोनों वही एक ही देशांतर हैं
   D. यह 0° देशांतर की विपरीत दिशा है (C)

व्याख्या : 180° पू0 और 180° प0 वास्तव में एक ही देशांतर रेखा मानी जाती है।

5. **प्रमुख याम्योत्तर किस स्थान से होकर गुजरती है?**
   A. टोक्यो
   B. दिल्ली
   C. ग्रीनविच (इंग्लैंड)
   D. न्यूयॉर्क (C)

व्याख्या : अंतरराष्ट्रीय सहमति के अनुसार प्रमुख याम्योत्तर इंग्लैंड के ग्रीनविच से होकर गुजरती है।

6. **प्रमुख याम्योत्तर भूमध्य रेखा के साथ मिलकर पृथ्वी को कितने भागों में बाँटती है?**
   A. दो
   B. तीन
   C. चार
   D. पाँच (C)

व्याख्या : भूमध्य रेखा पृथ्वी को उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध में बाँटती है, जबकि प्रमुख याम्योत्तर पूर्वी और पश्चिमी गोलार्द्ध में—कुल चार गोलार्द्ध बनते हैं।

7. **दिल्ली की स्थिति का उदाहरण PDF में कैसे दिया गया है?**
   A. 45° 30, 74° प0
   B. 29° 30, 77° पू0
   C. 10° 30, 140° पू0
   D. 90° 30, 0° (B)

व्याख्या : दिल्ली की स्थिति 29° उत्तर अक्षांश और 77° पूर्व देशांतर बताई गई है।

8. **भारत की प्राचीन प्रमुख याम्योत्तर किस नाम से जानी जाती थी?**
   A. कर्क रेखा
   B. मध्य रेखा
   C. भू-मध्य रेखा
   D. अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा (B)

व्याख्या : भारत की प्राचीन प्रमुख याम्योत्तर "मध्य रेखा" कहलाती थी।

9. **भारत की मध्य रेखा किस नगर से होकर गुजरती थी?**
   A. जयपुर B. उज्जयिनी (उज्जैन)
   C. कोलकाता D. गुवाहाटी (B)

व्याख्या : प्राचीन भारतीय मध्य रेखा उज्जयिनी (उज्जैन) से होकर गुजरती थी।

10. **वराहमिहिर कौन थे?**
    A. प्रसिद्ध राजा
    B. सैनिक
    C. खगोलशास्त्री
    D. व्यापारी (C)

व्याख्या : वराहमिहिर एक प्रसिद्ध भारतीय खगोलशास्त्री थे, जो लगभग 1500 वर्ष पहले कार्य करते थे।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App